भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

20.08.2025 के

अतारांकित प्रश्न सं. 4464 का उत्तर

फर्रुखाबाद से मैलानी के बीच नई रेल लाइन

4464. श्री नीरज मौर्य:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद जिले को मैलानी (जलालाबाद शाहजहांपुर होते हुए) से होते हुए रेल तंत्र से जोड़ने वाली एक नई रेल लाइन के निर्माण का विचार है;

(ख) यदि हाँ, तो परियोजना की वर्तमान स्थिति क्या है और इसके शुरू होने और पूरा होने की समय-सीमा क्या है तथा इसके लिए कितना बजट आवंटित किया गया है;

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(घ) क्या सरकार का क्षेत्र में परिवहन अवसंरचना में सुधार के लिए कोई वैकल्पिक विचार है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): फर्रुखाबाद और मैलानी पहले से ही कासगंज और बरेली के रास्ते मौजूदा रेलवे नेटवर्क से जुड़े हुए हैं। संपर्कता को और बेहतर बनाने के लिए, जलालाबाद और शाहजहाँपुर के रास्ते फर्रुखाबाद-मैलानी तक (158 कि.मी.) नई लाइन के लिए सर्वेक्षण किया गया था। कम यातायात अनुमानों के कारण इस परियोजना को आगे नहीं बढ़ाया जा सका।

उत्तर प्रदेश

हाल के वर्षों में बजट आबंटन में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचनात्मक परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आबंटन निम्नानुसार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	1,109 करोड़ रुपए/वर्ष
2025-26	19,858 करोड़ रुपए (लगभग 18 गुना)

2009-14 और 2014-25 के दौरान उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाले नए रेलपथ की कमीशनिंग/बिछाने का विवरण निम्नानुसार है:-

अवधि	कमीशन किए गए नए रेल पथ	नए रेलपथ की औसत कमीशनिंग
2009-14	996 कि.मी.	199 कि.मी./वर्ष
2014-25	5272 कि.मी.	479 कि.मी./वर्ष (लगभग 02 गुना)

01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली कुल 3,807 किलोमीटर लंबाई की 49 रेल परियोजनाएँ (10 नई लाइन, 02 आमान परिवर्तन और 37 दोहरीकरण), जिसकी लागत 62,360 करोड़ रुपए है, स्वीकृत की गई हैं, जिनमें से मार्च 2025 तक 1,323 किलोमीटर लंबाई को कमीशन किया जा चुका है और 30,611 करोड़ रुपए का व्यय किया जा चुका है। विवरण निम्नानुसार हैं:-

श्रेणी	स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी. में)	कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च 2025 तक व्यय (करोड़ रुपए में)
नई लाइन	10	1227	340	10517
आमान परिवर्तन	02	67	0	281
दोहरीकरण/मल्टीट्रैकिंग	37	2513	983	19813
कुल	49	3807	1323	30611

उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली, हाल ही में पूरी की गई कुछ परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है:

क्र. सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
1	आगरा-इटावा नई लाइन (110 कि.मी.)	427
2	गुना-ग्वालियर-भींड इटावा नई लाइन (348 कि.मी.)	683
3	इटावा-मैनपुरी नई लाइन (58 कि.मी.)	313
4	गाजीपुर सिटी-तारिघाट नई लाइन (17 कि.मी.)	1766
5	गोंडा-गोरखपुर लूप आमान परिवर्तन (260 किमी)	863
6	कप्तानगंज-थावे-छपरा आमान परिवर्तन (234 कि.मी.)	819
7	बरेली-पीलीभीत-टनकपुर आमान परिवर्तन (102 कि.मी.)	313
8	गोंडा-बहराइच आमान परिवर्तन (60 कि.मी.)	318
9	पीलीभीत-शाहजहांपुर आमान परिवर्तन (83 कि.मी.)	589
10	इंदारा-दोहरीघाट आमान परिवर्तन (34 कि. मी.)	213
11	लखनऊ-पीलीभीत आमान परिवर्तन (263 कि.मी.)	1634
12	भदोही-जंघई दोहरीकरण (31 कि.मी.)	168
13	लहोटा-भदोही दोहरीकरण (39 कि.मी.)	184
14	मेरठ-मुजफ्फरनगर दोहरीकरण (55 कि.मी.)	430
15	फाफामऊ-प्रयागराज दोहरीकरण (14 कि.मी.)	212
16	मुजफ्फरनगर-तापरी दोहरीकरण (52 कि.मी.)	525
17	उतरेतिया-रायबरेली दोहरीकरण (66 कि.मी.)	662
18	रायबरेली-अमेठी दोहरीकरण (60 कि.मी.)	668
19	आलमनगर-उतरेतिया दोहरीकरण (20 कि.मी.)	358
20	भीमसेन-झांसी दोहरीकरण (206 कि.मी.)	2620
21	बलिया-गाज़ीपुर सिटी दोहरीकरण (65 कि.मी.)	650
22	मल्हौर-डालीगंज दोहरीकरण (13 कि.मी.)	183
23	रूमा चकेरी-चंदारी दोहरीकरण (13 कि.मी.)	177
24	बाराबंकी-अकबरपुर दोहरीकरण (161 कि.मी.)	1700
25	रोज़ा-सीतापुर कैंट-बुढ़वल दोहरीकरण (181 कि.मी.)	2094
26	जौनपुर-अकबरपुर (टांडा) दोहरीकरण (77 कि.मी.)	676
27	रमना-सिंगरौली दोहरीकरण (160 कि.मी.)	2436
28	जंघई-फाफामऊ दोहरीकरण (47 कि.मी.)	414
29	वाराणसी-माधोसिंह-प्रयागराज दोहरीकरण (120 कि.मी.)	2018
30	करैला रोड-शक्तिनगर दोहरीकरण (32 कि.मी.)	763

उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली कुछ परियोजनाएं, जिन्हें शुरू किया गया है, का विवरण निम्नानुसार है:

क्र. सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
1	एटा-कासगंज नई लाइन (29 कि.मी.)	389
2	झाँसी-खैरार-मानिकपुर और खैरार-भीमसेन दोहरीकरण (431 कि.मी.)	4330
3	बहराईच-खलीलाबाद नई लाइन (240 कि.मी.)	4940
4	बाराबंकी-बुढ़वल तीसरी लाइन (27 कि.मी.)	426

इसके अलावा, उत्तर प्रदेश राज्य में संपर्कता को और बेहतर बनाने के लिए पिछले तीन वर्षों (2022-23, 2023-24, 2024-25) और चालू वित्त वर्ष (2025-26) के दौरान, उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली कुल 6271 किलोमीटर लंबाई के 111 सर्वेक्षण (33 नई लाइन, 76 दोहरीकरण और 2 आमान परिवर्तन) स्वीकृत किए गए हैं।

विस्तृत परियोजना रिपोर्ट को अंतिम रूप दिए जाने के बाद, परियोजना की स्वीकृति के लिए राज्य सरकारों सहित विभिन्न हितधारकों के साथ परामर्श करने और आवश्यक अनुमोदनों जैसे नीति आयोग, वित्त मंत्रालय आदि से मूल्यांकन की आवश्यकता होती है। चूंकि परियोजनाओं की स्वीकृति एक सतत् और गतिशील प्रक्रिया है, इसलिए सटीक समय-सीमा तय नहीं की जा सकती है।

******